त्रिनाम-2023

भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र

द्वारा आयोजित

त्रिधारा नाट्य महोत्सव

18 एवं 19 फरवरी 2023

नाट्य मंचन प्रतिदिन सायं 6.30 से, सभी आमंत्रित हैं.

प्रवेश निःशुल्क

स्थान

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रेक्षागृह, प्रयागराज

(सर्किट हाउस के बगल में)

उत्कृष्ट समाज, संस्कृति, प्रकृति, शैक्षिक वातावरण के निर्माण के संकल्प एवं विचार के साथ भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना सन् 1997 में हुई। सृजनशील सामाजिक-सांस्कृतिक-शैक्षिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध भारतीय सांस्कृतिक केंद्र जनपक्षधर सक्रियता के साथ बेहतर सांस्कृतिक-सामाजिक संरचना के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह ट्रस्ट ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों में लगातार अपने सामाजिक सरोकारों और रचनात्मक हस्तक्षेप के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन पठन-पाठन के लिए ट्रस्ट ने मुंगरा बादशाहपुर (जौनपुर) में सन् 2009 में प्रो0 रामनाथ पाण्डेय महिला महाविद्यालय की शुरुआत की, जहाँ स्नातकोत्तर और बी0एड0 सहित अन्य कक्षाओं में एक हजार से अधिक छात्राएँ अध्ययन कर रही हैं। ट्रस्ट आर्थिक रूप से निर्बल छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है। भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र पर्यावरण के प्रति अत्यंत सजग है। अपनी इस जिम्मेदारी के तहत ट्रस्ट की ओर से वर्ष भर वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलता रहता है और उनकी देखरेख सुनिश्चित की जाती है।

स्त्री अस्मिता के प्रति सम्मान, कल्याण के कई आयोजनों के साथ सांस्कृतिक मुहिम पर भी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की सृजनात्मक पहल को बेहद सम्मान प्राप्त है। प्रयागराज के सांस्कृतिक स्पेस में अपनी सुचिंतित कला दृष्टि के साथ त्रिधारा नाट्य महोत्सव (त्रिनाम) की पहल की गई। इस वर्ष त्रिनाम का आठवाँ संस्करण है। नाट्य समारोह के अलावा वर्ष भर नाट्य मंचन की गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। इसके लिए प्रमुख संस्थाओं एवं रंगकर्मियों को आमंत्रित किया जाता है।

प्रवीण शेखर
सांस्कृतिक सचिव,
भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र

सुभाष पाण्डेय
अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र एवं
पूर्व संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

मुख्य कार्यालय : 1, मानस मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश
कैम्प कार्यालय : आफिस नं0-701A, 7वाँ तल, तुलसियानी ग्रेस, राम मन्दिर रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज-211001 (उ0प्र0)
मो. 8303170134 ई-मेल : bskendra8@gmail.com

टीम
त्रिनाम-2023

श्री प्रकाश पाण्डेय
सचिव, भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र

श्री अरूप पाण्डेय
श्री अंजल सिंह
सुश्री आयुषी शर्मा
श्री दिव्यांश शर्मा

श्री शैलेन्द्र सिंह

आभार

ज़ियाउद्दीन ख़ान - डिज़ाइन एवं प्रिंट

आदाब अर्ज़ है

प्रस्तुति - **समर्पित संस्था, प्रयागराज**
लेखक - **मौलियर**, रूपांतरण - **सलीम आरिफ**
निर्देशक - **संजू साहू**

यह कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है जो अपनी जीविका हज्जाम का काम करके चलाता है परन्तु वह अपनी बेग़म को मारता पीटता है। उसकी बेग़म उससे नफरत करने लगती है और बदला लेने के लिए सोचती है। तभी उसकी मुलाक़ात नवाब के दो नैकरों से होती है। नवाब की लड़की आशिक अली नाम के लड़के से प्यार करती है, लेकिन नवाब इस प्रेम के विरोध में है। यही उसकी समस्या का विषय बन जाता है। नवाब की इस समस्या को दोनों नौकर बयान करते हैं।

बेगम अपने शौहर से बदला लेने की दृष्टि से उन्हें यह बताती है कि उनकी इस समस्या का समाधान उनके पति जुम्मन के पास मिल सकता है। नौकर जुम्मन को इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए तैयार कर लेता है, अब इस समस्या से छुटकारा दिलवाने में और भी मुश्किल पैदा हो जाती है। अंततः नवाब को अपनी पुत्री के प्रेम के सामने झुकना ही पड़ता है।

त्रिनाम-2023

मंच पर

जुम्मन	-	**सचिन चंद्रा**
जुबैदा	-	**संध्या शुक्ला**
हिम्मत	-	**अतुल कुमार**
फातिमा	-	**संजना शुक्ला**
आशिक अली	-	**अजय कुमार**
शमीम	-	**दिव्या शुक्ला**
फकरूत	-	**विजेंद्र कुमार सिंह**
युवक	-	**गोपाल कुशवाहा**
नवाब साहब	-	**संजू साहू**

मंच परे

प्रकाश संचालन	-	**सुजॉय घोषाल**
संगीत संचालन	-	**मदन कुमार**
प्रस्तुति नियंत्रक	-	**विजेन्द्र सिंह**
मंच निर्माण	-	**अतुल कुमार**
निर्देशन	-	**संजू साहू**

सड़क

प्रस्तुति : **यूनिवर्सिटी थिएटर, प्रयागराज**
लेखक : **हबीब तनवीर**
निर्देशक : **अमितेश कुमार, प्रवीण शेखर**

'सड़क' (1994) हबीब तनवीर का लिखा एक नाटक है जिसमें सड़क ही रूपक है, जो दो पक्षों के बीच संघर्ष का कारण बनता है। यह पक्ष ग्रामीणों और उद्योगपतियों का है। कहाँ तो जनता की हर चुनाव में मुख्य मांग रहती है सड़क की और कहाँ इस नाटक में जनता सड़क के ही खिलाफ है। दावा यह है कि यह सड़क ही विकास की सड़क है। यहाँ हबीब तनवीर विकास की अवधारणा को ही समस्याग्रस्त कर देते हैं। नाटक सीधे ही यह सवाल करता है कि विकास किसका? और इस विकास की कीमत क्या है? ग्रामीण कहते हैं कि सड़क उनके विकास के लिये नहीं बल्कि उद्योगपतियों के विकास के लिये बनी है और उस सड़क के बनने से उन्हें क्या क्या हानियां हुई हैं? विकास की होड़ में पर्यावरण और परिवेश को हो रही क्षति पर यह नाटक सीधे टिप्पणी करता है। एक मुकद्दमे के माध्यम से नाटक एक जरूरी बहस को दिलचस्प तरीके से हमारे सामने रखता है।

त्रिनाम-2023

मंच पर

विदुषी, पीयूष, त्रिज्या, माधवी, सानू, पूजा, पूनम, सोमेश, मोहित, अंकिता, शिवानी, आलोक, आर्यन, शुभम, दीपशिखा, पल्लवी, मनीषा, आदित्य, अंकित, राल्फ, आदित्य राज, रितिका, कुणाल, अजीत, राहुल

मंच परे

प्रकाश	-	**टोनी सिंह**
प्रकाश सहयोग एवं ध्वनि	-	**अमर सिंह**
संगीत	-	**जुगेश मुकेश गुप्ता**
ढोलक	-	**अजीत द्विवेदी**
तबला	-	**हर्ष यादव**
कोरस	-	**बुद्धप्रिय, विदुषी, आश्रुति, कृष्णा, त्रिज्या, शिवानी**
सामग्री निर्माण	-	**निखिलेश कुमार मौर्य**
मंच व्यवस्था	-	**आदर्श, शिवम , नितीश , पीयूष, सक्षम**
प्रस्तुति	-	**यूनिवर्सिटी थिएटर, प्रयागराज**
आभार	-	**स्वराज विद्यापीठ, बैकस्टेज, भारतीय सांस्कृतिक केंद्र**
नाट्यालेख	-	**हबीब तनवीर**
परिकल्पना एवं निर्देशन	-	**अमितेश कुमार, प्रवीण शेखर**

त्रिधारा नाट्य महोत्सव (त्रिनाम) - 2023

18 फरवरी 2023
(शनिवार), सायं 6.30 बजे

प्रवेश निःशुल्क

प्रस्तुति : समर्पित संस्था, प्रयागराज
लेखक : मौलियर, रूपांतरण : सलीम आरिफ
निर्देशक : संजू साहू

19 फरवरी 2023
(रविवार), सायं 6.30 बजे

प्रवेश निःशुल्क

प्रस्तुति : यूनिवर्सिटी थिएटर, प्रयागराज
लेखक : हबीब तनवीर
निर्देशक : अमितेश कुमार, प्रवीण शेखर

* कृपया निर्धारित समय से 10 मिनट पूर्व अपना स्थान ग्रहण कर लें।